THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) and (b) Yes, Sir. The average prices of Coal for Coal India Limited and Singareni Collieries Company Limited have been raised by 4.89% and 4.09% respectively w.e.f. 19-6-1993.

(c) and (d) The sale price of coal fixed under the Colliery Control Order, 1945 is ex pit-head price to be charged by the colliery owner.

The pit-head prices are exclusive of statutory duties of excise, royalty, cesses sales tax etc. The colliery owner shall be entitled to realise such duties from the purchasers.

(e) No, Sir.

(f) to (h) No, Sir. Bureau of Industrial Costs and Prices are presently conducting a study of the coal industry and will give their recommendations on the prices of coal to be fixed for CIL and SCCL.

Buyers of coal from Coal India Limited

2445. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) the names of bulk buyers of coal from Coal India Limited at present;

(b) what are the details of the amount due from each of the buyers and since when;

(c) whether it is a fact that Government have drawn a plan to liquidate these dues, if so, details thereof; and

(d) by when the plan is likely to be implemented?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) and (b) The largest bulk consumers getting coal from Coal India Limited are from the Power Sector, Steel Sector, Railways, etc. The total outstanding coal sale dues from different bulk consumers as on 30-6-1993 were as follows:

(Rs. in crores)

(Data provisional)

		Amount
A.	Power Utilities	
1.	Andhra Pradesh State Electricity Board	13.90
2.	Ahmedabad Electricity Company	30.22
3.	Badarpur Thermal Power Station	275.18
4.	Bihar State Electricity Board	59.51
5.	Calcutta Electricity Supply Co. (CESC)	7.96
6.	Damodar Valley Corporation	265.29
7.	Delhi Electricity Supply Undertaking	59.15
8.	Durgapur Project Limited	87.18
9.	Gujarat Electricity Board	165.83
10.	Haryana State Electricity Board	129.70
11.	Karnataka Power Corporation Limited	6.93
12.	Madhya Pradesh State Electricity Board	52.96
13.	Maharashtra State Electricity Board	373.21
14.	National Thermal Power Corporation	242.52
15.	Orissa State Electricity Board	12.65
16.	Punjab State Electricity Board	193.95
17.	Rajasthan State Electricity Board	36.93
18.	Tamil Nadu Electricity Board	90.74
19.	Uttar Pradesh State Electricity Board	284.57
20.	West Bengal State Electricity Board	136.99
21.	West Bengal Power Development Corpn.	158.17
22.	Others	9.81
	TOTAL:	2698.35
B.	Railways	65.88
C.	Steel	367.33
D.	Government	101.24
E.	Others	83.92

(c) and (d) Following steps are already being taken to recover these dues:—

(i) All power units commissioned after 1-4-1989 are being supplied coal only against advance payments or against revolving Letters of Credit.

(ii) Government of India have decided to adjust all undisputed coal sales outstanding as on 31-5-1990 against the Central Assistance to the State Plans payable to the State Governments, whose State Electricity Boards and Power Utilities had defaulted, in four equal instalments. So far three instalments have been received.

(iii) As a result of mounting arrears of outstanding dues, Ministry of Coal advised CIL to start supplying coal to the State Electricity Boards only against advance payments. This scheme which is better known as 'Cash and Carry Scheme' was introduced w.e.f. 1-10-1991.

(iv) State Governments have been requested to persuade/enable State Electricity Boards to clear the outstanding dues at the earliest.

कोयला परियोजनाओं को पूरा किया जाना

2446. **श्री राम सिंह राठवा :** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने निगरानी प्रणाली में प्रभावी रूप से सुधार करके परियोजनाओं को समय पर पूरा कराने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को उत्तरदायी बनाया है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (ग) कोयला कंपनियों के पास परियोजनाओं पर निगरानी रखने के लिए एक सुसज्जित संरचनात्मक संगठन विद्यमान है जिसके अंतर्गत प्रत्येक कंपनी में समग्र प्रभार के साथ निदेशक (परियोजना), जिसकी मुख्य महाप्रबंधक/महाप्रबंधक स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों सहित पर्याप्त संख्या में वरिष्ठ अधिकारी का एक परियोजना सेल कार्यरत है । विभिन्न स्तर पर परियोजना की निगरानी पद्धति को मानकीकृत कर दिया गया है जिसका विवरण नीचे दिया गया है :—

स्तर	के द्वारा	समयावधि
1. क्षेत्र	महाप्रबंधक	मासिक
2. सहायक कंपनी	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक परियोजना निदेशक (परियोजना)	मासिक
3. धारक कंपनी	(1) अध्यक्ष (2) निदेशक मंडल	मासिक (अपवाद स्वरूप) बड़ी परियोजनाओं की समीक्षा प्रत्येक बैठक में की जाती है ।
4. सरकार	(1) सलाहकार (परियोजना) (2) मंत्री	मासिक (अपवाद स्वरूप) तिमाही (बड़ी लम्बित परियोजनाएं) ।

कोयला अन्वेषण परियोजनाएं

2447. **चौधरी हरमोहन सिंह :** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान कोयला अन्वेषण के कुल कितने कार्य किए गए;

(ख) यह अन्वेषण कार्य किन-किन स्थानों पर किया गया;

(ग) प्रत्येक अन्वेषण कार्य की क्या उपलब्धि रही है; और

(घ) भूमिगत अन्वेषण को प्राथमिकता देने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (ग) भारतीय भूसर्वेक्षण, जो कि मुख्यतः देश के विभिन्न भागों में उपलब्ध कोयले के भण्डारों का पता लगाए जाने के लिए क्षेत्रीय अन्वेषण किए जाने के लिए उत्तरदायी है, उसने पिछले 3 वर्षों के दौरान देश में विभिन्न कोयला क्षेत्रों के 33 ब्लाकों/क्षेत्रों (सेक्टरों) का अन्वेषण किया है । इसके अलावा केन्द्रीय खान आयोजन एवं डिजाइन संस्थान लि० द्वारा खान आयोजन के उद्देश्य से प्रमाणित कोयले के भंडारों के विस्तृत भूगर्भीय अन्वेषण किए जाने के लिए विभिन्न कोयला क्षेत्रों/ब्लाकों में अन्वेषण कार्य शुरू किया गया, जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

वर्ष	ब्लाकों की संख्या				मीटर में की गई ड्रिलिंग	अनुमानित भण्डार (मि० टन में)
	भूमिगत प्रत्याशा	ओपनकास्ट. प्रत्याशा	कार्यरत खानें	कुल		
1990-91	74	39	41	154	350076	3976